Navbharat Times Edition Delhi
16.4.2017 Page 14
Height 9.05cm Width 13.32 cm

आधार ने किया कमाल, परिवार से मिला मूक-बधिर बच्चा

■ टीएनएन, वडोदरा/नर्मदा

परिजनों से बिछड़कर गुजरात के नर्मदा पहुंचा 12 वर्षीय मूक-बधिर संजय नागनाथ येन्कुर अगर आधार कार्ड बनवाने के लिए नहीं जाता तो जिंदगी में कभी भी महाराष्ट्र के लातूर जिले में अपने घर वालों से नहीं मिल पाता।

सुनने और बोलने में असमर्थ संजय ने 2014 में अपने भाई विजय से झगड़ा होने के बाद लातूर में अपने गांव हेन्चल को छोड़ दिया था। वह किसी तरह भटकते हुए अपने घर से 800 किलोमीटर दूर गुजरात में पहुंच गया। दोनों भाईयों के मां-बाप की मौत 2011 में हो चुकी थी और वे अपनी मौसी संगमाबेन

मानेकराव गांटे के पास रह रहे थे।

वडोदरा रेलवे पुलिस ने पिछले साल 22 मार्च को संजय को अकेले घूमते पाया। मूक-बधिर होने की वजह से उसके परिवार के बारे में पता करने का प्रयास असफल रहा। इसके बाद उसे नर्मदा जिले के राजपिपला में बाल सुरक्षा आयोग द्वारा संचालित सरकारी मूक-बधिर सरकारी स्कूल में भेज दिया गया।

जनवरी 2017 में स्कूल में लगा आधार कैंप संजय के लिए संजीवनी बूटी के जैसा साबित हुआ। UIDAI सर्वर के साथ सभी बच्चों का फिंगरप्रिंट और रेटिना स्कैन कराया गया, लेकिन आकाश का रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। आधार वेबसाइट चेक करने पर पता चला कि 2011 में संजय नागनाथ येन्कुर के नाम से उसका रजिस्ट्रेशन पहले ही हो चुका है।

परमार ने कहा, 'हम लातूर जिले में अपने सहयोगियों से संपर्क कर उनसे सभी प्रमाणपत्रों की जांच करने को कहा। जिसके बाद संजय के घर का पता चल सका।